उत्तर प्रदेश का हो रहा है चहुंमुखी विकास - केशव प्रसाद मौर्य

❑ इंटरनेशनल ट्रेड शो में कौशल विकास मिशन का पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र
❑ प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने पवेलियन का दौरा कर युवाओं के कौशल प्रदर्शन की सराहना की

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरूण, अन्य जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में जनपद मैनपुरी के विकास खंड करहल के ग्राम सिमरऊ के प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में लखपति दीदी सम्मान कार्यक्रम एवं ग्राम चौपाल में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकास खंड करहल के 35 स्वयं सहायता समूहों को रू 02.10 करोड़, विकास खंड घिरोर के 33 स्वयं सहायता समूह को रू 01.98 करोड़, विकास खंड बरनाहल के 22 समूहों को रू 01.32 करोड़ के सी.सी.एल. वितरण, विकास खंड करहल, बरनाहल, घिरोर के 49 समूहों को रू 73.50 लाख की सीआईएफ स्वी. ति पत्र, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अंकुश कुमार को लकड़ी फर्नीचर हेतु रू 20 लाख, मीनू को लकड़ी फर्नीचर हेतु रू 10 लाख, राघवेंद्र को टेंट हाउस हेतु रू 07 लाख, एक जनपद-एक उत्पाद योजना में सुमन को वस्त्र, सिलाई एवं कढ़ाई हेतु रू0 03 लाख के ऋण स्वीकृति पत्र, स्वयं सहायता समूहों की लखपति दीदी कुसुमा, नीतू, आरती, वन्दना, एकता देवी, अनुराधा, शशि, सावित्री, बृजवाला, प्रीति, मोहिनी, कल्पना, सविता को प्रशस्ति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत विमला देवी, अनिल कुमार, उदयवीर सिंह, सुंदर सिंह, संतोषी देवी को गोल्डन कार्ड, सफाई कर्मी मनोज कुमार, संजीव कुमार, विकास कुमार, राजेश कुमार, अमित कुमार को पी.पी.टी. किट, कृषक बदन सिंह, कृपाल सिंह, भूप सिंह, फल सिंह, बबलू को निःशुल्क सरसों बीज मिनी किट, प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी सोनी, सरिता, ममता, फूल कुमार, सीमा को आवास की चाबी तथा गोद भराई कार्यक्रम के तहत तनु, पूजा को पोषण आहार किट, अन्नप्रासन्न योजना के तहत आसू, देव को ऊपरी आहार, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत शशि प्रभा, कन्या देवी, रानी देवी, आरती देवी, नीतू देवी को निःशुल्क गैस-चूल्हा सिलेंडर उपलब्ध, वितरित किये।

उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि केंद्र में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार देश-प्रदेश में विकास की गति को चार गुना रतार से बढ़ाने का कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है।

देश के प्रधानमंत्री ने देशवासियों को उनके घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का ऐतिहासिक निर्णय लिया और यह निर्णय धीरे-धीरे धरातल पर क्रियान्वित होता भी दिख रहा है, गांव सिमरऊ में विगत् 06 माह से प्रत्येक घर में नल के माध्यम से स्वच्छ पीने का जल उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व ग्रामवासियों को पीने के पानी की उपलब्धता के लिए सांसद, विधायकों, अन्य जनप्रतिनिधियों के पास हैंडपंम्प स्थापित करने के लिए चक्कर लगाने पड़ते थे, हैंडपंप स्थापित होने के बाद गांव के सभी लोगों को पानी उपलब्ध होने में कठिनाई का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज बिना भेद-भाव के प्रत्येक ग्रामवासी को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध हो रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोरोनाकाल से लेकर आज तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगातार निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व जब गरीब व्यक्ति के परिवार का कोई सदस्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित होता था, तो उसे इलाज के लिए मकान, जमीन, जेवर बेचना पड़ता था, लेकिन आयुष्मान भारत योजना के लागू होने के पश्चात अब गरीब व्यक्तियों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए रू 05 लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, इसके अतिरिक्त 70 वर्ष के लोगों के भी गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें भी बीमार होने की दशा में रू 05 लाख तक का निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

उत्तर प्रदेश के हुनर को मिल रहा है वैश्विक पहचान

❑ इंटरनेशनल ट्रेड शो में कौशल विकास मिशन का पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र
❑ प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने पवेलियन का दौरा कर युवाओं के कौशल प्रदर्शन की सराहना की

ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के पवेलियन ने अपने अद्वितीय कौशल प्रदर्शनों से आगंतुकों का दिल जीत लिया।

पवेलियन में प्रदेश के हुनरमंद युवाओं ने विभिन्न विशिष्ट कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया, जिससे आगंतुकों को प्रदेश के उभरते कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में गहन जानकारी मिली।

इस मौके पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने पवेलियन का दौरा किया। उन्होंने युवाओं के कौशल प्रदर्शन की सराहना की और उनके साथ संवाद कर उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कौशल विकास मिशन का पवेलियन आगामी दिनों में विभिन्न सेक्टरों के लाइव कौशल प्रदर्शन के माध्यम से प्रदेश की प्रतिभा को वैश्विक मंच पर पेश करेगा। आगंतुकों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे प्रदेश के कौशल से परिचित हों।

ट्रेड शो में कौशल विकास मिशन की गतिविधियों और लाइव प्रदर्शनों का अनुभव करने के लिए हाल नंबर 06 में सभी लोग आमंत्रित है।

संस्कृत संस्थानम लखनऊ में ''स्वस्थ उ0प्र0 विकसित उ0प्र0'' विषयक लघु नाटक का मंचन

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम लखनऊ द्वारा अपने परिसर में 20 सितम्बर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से ''स्वस्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश'' विषय पर पर व्याख्यान गोष्ठी एवं मण्डल स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता तथा स्वच्छता पर आधारित एक ''एक इरादा'' लघु नाटक का मंचन किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि डॉ0 आनन्द ओझा, पूर्व निदेशक, स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि साहित्य में वर्णित स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों में अन्वेषण विश्लेषण हेतु कदम उठाये जाने की आवश्यकता है हिन्दी ग्रन्थों जैसे रामायण, रामचरितमानस, महाभारत, वैदिक ग्रन्थों में स्वास्थ्य सम्बन्धी तथ्यों के संकलन की एवं वैज्ञानिक उपयोगिता पर विचार एवं शोध की आवश्यकता है। डॉ0 अनिल मिश्रा, पूर्व सलाहकार विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि विकास और स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। विकास की राह स्वास्थ्य के आंगन से ही निकलती है। स्वास्थ्य का आयाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य तक है। भारत के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी स्वतन्त्रता की सौवीं जयन्ती तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं, जिसके लिए उ0प्र0 के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी दृढ़ संकल्पित हैं।

डॉ0 केवल कृष्ण ठकराल पूर्व निदेशक, आयुर्वेद विभाग, ने बताया कि ईश्वर ने मनुष्य को दो चीजें दी हैं यथा शरीर और मन, इन दोनों के स्वास्थ रहने पर ही कोई व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। डॉ0 जगन्नाथ पाण्डेय ने बताया कि आहार विहार और विचार शुद्ध रखकर रोगों से बचा जा सकता है। डॉ0 रश्मि शील ने बताया कि अथर्ववेद में कहा गया है ''जीवेत शरदः शतम् शतम्'' यानि की हम सौ वर्ष तक जीवित रहें और इसके लिए जरूरी है निरोगी काया। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। किसी व्यक्ति की मानसिक शारीरिक और सामाजिक रूप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं। हमारे यहां इसे ही जीवन कौशल कहा गया है। वर्तमान में हम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रहे हैं।

संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वास्थ्य, जीवन की महत्वपूर्ण आधारशिला होती है। संस्कृत की एक उक्ति है-''आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनं'' अर्थात, ''स्वास्थ्य ही परम धन है, और अच्छे स्वास्थ्य से हर कार्य पूरा किया जा सकता है।'' कोविड महामारी से हमें सबसे बड़ी सीख यह मिली कि हमें हमेशा ही हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा। जैसा कि हमने महामारी के दौरान देखा, दुनिया के एक हिस्से में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बहुत कम समय में ही दुनिया के अन्य सभी हिस्सों को प्रभावित कर सकती हैं, इसलिए हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए तत्पर रहना होगा। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में यह विशेष रूप से आवश्यक है। स्वास्थ्य और पर्यावरण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। साफ हवा, सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित आश्रय स्वास्थ्य के प्रमुख घटक हैं। सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयः, अर्थात, 'सभी सुखी रहें, सभी रोगमुक्त हों।'

मण्डल स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में 06 जिलों के 55 प्रतिभागी बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतिभागी बच्चों में विजयी प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त 15 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही स्वच्छता पर आधारित ''एक इरादा'' लघु नाटक का भी मंचन किया गया।

प्रदेश में 09 गो-संरक्षण केन्द्रों के निर्माण हेतु 7.21 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश के 09 गो-संरक्षण केन्द्रों के निर्माण हेतु 07 करोड़ 21 लाख 08 हजार रूपये की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में द्वितीय किश्त के रूप में स्वीकृत की है। स्वीकृत धनराशि से पांच जनपदों यथा सीतापुर के वसुदहा, कोड़वा धमधमपुर, जनपद फर्रूखाबाद के दुबरी, जनपद ललितपुर के बानपुर, कालापहाड़, जनपद प्रतापगढ़ के अमौंवा, नारायणपुर,जनपद शाहजहांपुर के महोलिया मोहकमपुर तथा आसेनवाद में गो संरक्षण केन्द्रों की स्थापना की जायेगी। प्रत्येक केन्द्र हेतु 80.12 लाख रूपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है।

सहकारिता
संरक्षक
आयुक्त एवं निबन्धक,
सहकारिता, उ0प्र0
श्रीकान्त गोस्वामी
प्रबन्ध निदेशक/प्रधान सम्पादक
सवीन्द्र सिंह
महाप्रबन्धक
स्वत्वाधिकारी, यू0पी0 कोऑपरेटिव यूनियन लि0, प्रकाशक, मुद्रक सुनील कुमार दिवाकर द्वारा सहकारी प्रेस, 14, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर मार्ग लखनऊ, उ0प्र0 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक-सुनील कुमार दिवाकर
फोन : 0522-4004577 (का.)
मोबाइल : 9415094114
ईमेल : sahkarita@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।

आर0 एन0 आई0 नं0 : 25008/72
डाक पंजी0 सं0 - GPO- LW/NP-178/2024-26
सहकारिता
उत्तर प्रदेश के सहकारी आन्दोलन का दर्पण
वर्ष : 53 अंक : 01 (हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ-बृहस्पतिवार 03 अक्टूबर, 2024 से 09 अक्टूबर, 2024 पृष्ठ-4 वार्षिक 150.00 रूपया मात्र एक प्रति 3.00 रूपया

आज उ0प्र0 में कानून का राज, निवेश अनुकूल आकर्षक सेक्टोरल नीतियां, व्यापार के अनुरूप सकारात्मक वातावरण

❑ बदले हुए परसेप्शन के कारण आज देश-विदेश के निवेशक उ0प्र0 में निवेश के इच्छुक
❑ उ0प्र0 ने सेमीकण्डक्टर नीति-2024 को लागू किया, नीति में सेमी कण्डक्टर क्षेत्र के निवेशकों के लिए आकर्षक प्राविधान

ग्रेटर नोएडा में सेमीकान इण्डिया 2024 के उद्घाटन के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय आई0टी0 एण्ड इलेक्ट्रानिक्स मंत्री अश्वनी वैष्णव ने संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के बदले हुए परसेप्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के पूर्व प्रदेश में कोई निवेश नहीं करना चाहता था। बदले हुए परसेप्शन के कारण आज देश-विदेश के निवेशक उत्तर प्रदेश में निवेश के इच्छुक हैं। आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है, निवेश अनुकूल आकर्षक सेक्टोरल नीतियां हैं। व्यापार के अनुरूप सकारात्मक वातावरण है। परिणामस्वरूप उद्यमीगण उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आना चाहते हैं।

वर्ष 2017 के पूर्व और वर्ष 2017 के बाद के उत्तर प्रदेश में अंतर को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में जब हम इन्वेस्टर्स समिट की योजना तैयार कर रहे थे तो हमें कहा गया कि सिर्फ 20 हजार करोड़ रूपए तक का ही निवेश सम्भव हो सकेगा। आज स्थिति यह है कि पिछले वर्ष सम्पन्न यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से अब तक प्रदेश को 40 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसमें से इस वर्ष फरवरी माह तक राज्य ने 10 लाख करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में सफलता प्राप्त की है। यह बदले हुए उत्तर प्रदेश की कार्य संस्कृति को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश के अनुकूल राज्य बनाने के लिए विगत सात वर्ष में सभी ने काफी मेहनत की है। आज हम निवेशकों की प्रत्येक समस्याओं का निश्चित समय में समाधान करते हैं। आनलाइन पोर्टल निवेश मित्र के माध्यम से निवेश की प्रक्रिया को सबसे आसान बनाया गया है। पहले भी सिंगल विण्डो सिस्टम की बात की जाती थी, लेकिन हमने इसे गंभीरता से लागू किया। आज किसी भी निवेशक को अपने इंसेंटिव्स के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। आनलाइन ही सारे काम हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश ने सेमीकण्डक्टर नीति-2024 को लागू किया है। नीति में सेमी कण्डक्टर क्षेत्र के निवेशकों के लिए आकर्षक प्राविधान किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों को भी मिलेगी ग्लोबल पहचान

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में से 60 उत्कृष्ट उत्पादों का चयन करके उनके स्टाल इन्टरनेशनल ट्रेड शो, ग्रेटर नोएडा में लगवाये गये हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ट्रेड शो में लगाये गये स्टालों से उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों को भी ग्लोबल पहचान मिलेगी।

निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश विजय बहादुर द्विवेदी ने बताया कि इस वैश्विक व्यापार महाकुंभ में उत्तर प्रदेश के जैविक फल, शाकभाजी, मेडिसन प्लान्टस आधारित विभिन्न उत्पाद, हाइड्रोपोनिक पद्धति के माध्यम से उत्पादित शलाद, लैट्यूस, धनिया, पालक, केला आदि विभिन्न प्रकार के अचार, शहद, मिलेटस आधारित विभिन्न उत्पाद यथा कुकिज, मफीन्स, केक, बिस्कुट, नमकीन, मल्टीग्रेन आटा, दलिया, नुडल्स, पास्ता आदि का स्टाल पर प्रदर्शन किया गया है। पवेलियन में आज लगभग 800 विजिटर्स द्वारा भ्रमण किया गया एवं उन्होंने स्टाल पर जाकर विभिन्न प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल की एवं अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वार्ता की गयी। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के अधिकारियों द्वारा उ.प्र. के औद्यानिक फसलों, पोलीहाउस, मशरूम, शहद, फूलों के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में स्थापित होने वाली ईकाईयों के बारे में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को उपलब्ध करायी गयी।

पंचायतीराज संस्थाओं हेतु 800 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पंचायतीराज संस्थाओं हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह सितंबर 2024 के लिए 800 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की है। इसके तहत जिला परिषद/जिला स्तरीय पंचायत हेतु 120 करोड़ रूपये, ब्लॉक पंचायत/मध्यवर्ती स्तरीय पंचायत हेतु 120 करोड़ रूपये तथा ग्राम पंचायत हेतु 560 करोड़ रूपये की धनराशि की व्यवस्था की गई है। यह धनराशि पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति के अंतर्गत पंचायतीराज संस्थाओं हेतु स्वीकृत की गई है। इस संबंध में वित्त विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है।

शासनादेश में निदेशक, पंचायतीराज को निर्देशित किया गया है कि धनराशि का जिला परिषदों/जिला स्तरीय पंचायतों, ब्लाक पंचायतों/मध्यवर्ती स्तरीय पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों के मध्य आवंटन पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार किया जायेगा। पंचायती राज संस्थाओं हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि कोषागार से आहरित कर किसी भी दशा में निदेशक, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा बैंक खाते में नहीं रखी जायेगी। कोषागार से धनराशि आहरित कर सीधे संबंधित पंचायती राज संस्थाओं के खाते में जमा की जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन के लिए किया जायेगा जिसके लिए धनराशि दी जा रही है।

हॉकी एक बार फिर से अपने पुराने वैभव को प्राप्त कर रही : मुख्यमंत्री

प्रदेश सरकार ने 500 से अधिक खिलाड़ियों को उ0प्र0 शासन की अलग-अलग सेवाओं में नौकरी दी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रथम हाकी इण्डिया जूनियर मेन्स इण्टर-जोन नेशनल चैम्पियनशिप-2024 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है। भारत ने दुनिया में हाकी के माध्यम से अपनी खेल प्रतिभा का लोहा सदैव मनवाया है। हाकी एक बार फिर से अपने पुराने वैभव को प्राप्त कर रही है। हॉकी अपने गौरवशाली क्षणों की पुनः अनुभूति कराने के लिए उतावली दिखाई दे रही है। उन स्थितियों में जूनियर हाकी खिलाड़ियों की यह लीग इण्टरनेशनल चैम्पियनशिप, ओलम्पिक, कामनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स के लिए भावी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक मंच भी प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चैम्पियनशिप में 04 क्षेत्र की 06 टीमें व साई की 02 टीमें एक सप्ताह तक 100 से अधिक मैच खेलेंगी। हॉकी खिलाड़ियों के लिए यह चैम्पियनशिप एक नया अवसर है। पहले ऐसा लगता था कि राष्ट्रीय खेल अपने ही घर में उपेक्षित हो जाएगा। लेकिन अब उपेक्षा नहीं, बल्कि एक नए जुनून के साथ हाकी आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों के लिए यह समय बहुत अच्छा है। प्रदेश में पहली बार जूनियर हॉकी लीग आयोजित की जा रही है। राज्य में क्रिकेट लीग भी सम्पन्न हो रही है। आगामी 02 सितम्बर, 2024 को के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम में मोहन बागान व ईस्ट बंगाल के बीच फुटबॉल मैच होने जा रहा है। प्रदेश में खेलों के प्रति यह सकारात्मक माहौल हमारे खिलाड़ियों व युवाओं को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। खिलाड़ी देश के लिए, हाकी के लिए जितना अच्छा करेंगे, सरकार द्वारा खिलाड़ियों को उतना अच्छा प्रोत्साहन दिया जाएगा। हमारे खिलाड़ी हॉकी का पुरातन गौरव पुनः स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में विगत 10 वर्षों में खेल और खिलाड़ियों के लिए अनेक अभियान प्रारम्भ हुए हैं। खेलो इण्डिया, फिट इण्डिया मूवमेण्ट, सांसद खेल प्रतियोगिता जैसी अनेक प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में हर जनपद में साई के सेण्टर के माध्यम से खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। पहले लोगों के मन में खेलों के प्रति नकारात्मक भाव दिखता था। लेकिन वर्तमान में लोग खेल के प्रति जागरूक हुए हैं तथा एक सकारात्मक भाव के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश ने अनेक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। इनमें हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द, के0डी0 सिंह 'बाबू', पद्मश्री मो0 शाहिद, रवीन्द्र पाल, सैयद अली, डा0 आर0पी0 सिंह, सुजीत कुमार, रजनीश मिश्र, मो0 शकील (शेष पृष्ठ 2 पर.....)

संपादकीय

समावेशी विकास के लक्ष्य को पूर्ण रूप से हासिल करने के लिए सहकारिता को अर्थ व्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचान दिया जाना जरूरी है क्योंकि यह माध्यम हमारे देश के 99 फीसद गावों और 80 फीसद ग्रामीण परिवारों एवं दूर-दराज इलाकों से जुड़ा है। सहकारिता एवं सहकारिता माध्यम से जन-जन तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। मानव जीवन को विकास पथ पर और तेजी के साथ दौड़ाया जा सकता है। इस प्रकार से यह देखने को मिलता है कि आधुनकि तकनीकी विकास में सहकारिता द्वारा साधारण जन मानस से लेकर असाधारण जन मानव (खेतिहर, मजदूर, श्रमिक, बेरोजगार, कृषक, दुकानदार, व्यापारी, लघु उद्योग, उद्योगपति, नेता, मंत्री, अभिनेता, नर एवं नारी शिक्षित, अशिक्षित) तक प्रभावित है और समाज, समूह, प्रदेश, देश का चहुंदिशि विकास हो रहा है। इसमें यह सहकारिता माध्यम या संसाधन एक प्राण हवा या संचार विकास का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहा है। समाज, प्रदेश, देश के आम नागरिक की आर्थिक स्थिति अच्छी दिख रही है। सामान्य जन जीवन सुख-सुविधा, शान्तिमय जी रहा है यह स्वच्छ, सुन्दर, सरल, सहज सहकारिता के कारण ही सम्भव हो पाया है।

सहकारिता भारत देश के संयुक्त परिवारों, किसानों, खेतिहर, मजदूरों, व्यापारियों, उद्योगपतियों संस्थाओं, समितियों के सदस्यों को नियन्त्रण करने वाला एक मुख्य संगठन है जो एक संयुक्त उद्यम (स्वामित्व) वाले लाभ-हानि को साझा करता है। आम तौर पर एक सहकारी संस्थान की स्थापना प्रतिकूल/अनुकूल बाजार की स्थितियों की प्रक्रिया के अनुसार की जाती है जिसमें भाग लेने वाले सभी सदस्य भागीदार होते हैं ताकि संयुक्त आकार और पूरे परिवार (समूह) की क्षमता का लाभ उठा सकें। भारत में सहकारी आन्दोलन की शुरूआत कृषि और उससे सम्बन्धित समस्त क्षेत्रों की देन है। 20वीं सदी के प्रारम्भिक वर्षों के दौरान अकाल पड़ा था जिसका परिणाम आर्थिक कठिनाइयों के रूप में देश और समाज के सामने परिलक्षित हुआ। किसानों की ऋण ग्रस्तता में जबरदस्त वृद्धि के मद्दे नजर किसानों, श्रमिकों को ऋण और गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकालने का सबसे बड़ा, अच्छा साधन सहकारी समितियों, संस्थाओं, सदस्यों के रूप में सहकारिता के सामने आयी। इससे किसानों, गरीबों, श्रमिकों को सहकारी आन्दोलन के कारण अल्प संसाधनों के संयोजन के क्रेडिट संबन्धित आम समस्याओं एवं कृषि उपज के विपणन और आदानों की आपूर्ति को हल करने का एक आकर्षक तरीका मिल गया। ❑

'अब तक 99 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन'

'ग्राम चौपालों में 04 लाख से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण'

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल,(गांव की समस्या -गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है, और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है। सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे।

ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1448 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 4307 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3890 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 6945 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 88 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की।ग्राम्य विकास आयुक्त श्री जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 99 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 71 लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 04 लाख से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

सामुदायिक, सार्वजानिक और पिंक शौचालयों की साफ़ सफ़ाई और मेंटीनेंस कार्य अच्छे से कराया जाए- नगर विकास मंत्री

शहरी व्यवस्था सुखद जीवन के अनुकूल हो, नागरिकों को निकाय कार्मिकों के कार्यों से किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, सभी को उच्च स्तर की सुविधाएं देने का प्रयास करें। शहर के ईको-सिस्टम को स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण के अनुकूल बनाने का प्रयास किया जाए। निकाय के किसी भी वार्ड में कहीं पर भी लिगेसी वेस्ट, कूड़े का ढेर, ब्लैक स्पाट नहीं दिखने चाहिए। सभी अधिकारी और निकाय कार्मिक फील्ड में निकलें, साफ सफाई, सुंदरीकरण के कार्यों और नागरिक सुविधाओं के व्यवस्थापन में कहीं पर भी लापरवाही एवं ढिलाई न हो, इस संबंध में कहीं से भी शिकायत आने पर एवं शहर के मुख्य मार्गो व मुख्य द्वार पर कूड़ा कचरा एवम् गंदगी दिखने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

उक्त निर्देश प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बुधवार को अलीगढ़ सर्किट हाउस में नगर विकास के पदाधिकारियों और अधिकारियों को बैठक के दौरान दिए। मंत्री जी नगर की साफ-सफाई, व्यवस्थापन व विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 02 अक्टूबर तक 'स्वभाव स्वच्छता,-संस्कार स्वच्छता' थीम पर स्वच्छता व साफ़ सफ़ाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश में स्वच्छता में जनभागीदारी, संपूर्ण स्वच्छता और सफाई मित्र सुरक्षा के साथ स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राष्ट्र को स्वच्छता का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 155 वें जन्मदिवस पर समस्त नगरीय निकायों में 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 155 घंटे का नान-स्टाप सफाई अभियान चलाया जायेगा। इसके लिए अभी से सभी निकाय पूर्ण तैयारी कर लें, जिससे कहीं पर भी साफ सफाई एवं स्वच्छता में कमी न रह जाए। सफाई कार्यों में मैनपावर और मशीन का समुचित उपयोग किया जाए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि जिन निकायों के मुख्य मार्गों व द्वार पर गंदगी एवं कूड़े का ढेर दिखेगा, वहां के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता संकल्प को पूरा करने के लिए सभी निकाय अधिकारी कमर कस लें। स्वच्छता कार्यों को लेकर कहीं से भी शिकायत नहीं आनी चाहिए। दैनिक सफाई को गंभीरता से करायें। लोगों को सूखा और गीला कूड़ा अलग-अलग करने के लिए प्रेरित करें। जो लोग कूड़ा कचरा इधर-उधर, नाले नालियों में डाल, गंदगी फैला रहे हैं, ऐसे लोगों को चिन्हित कर निःसंकोच उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए। स्वच्छता में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न आई.ई.सी. गतिविधियां संचालित कराई जाए।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि विगत ढाई वर्षों में जो भी कूड़ा स्थलों को स्वच्छ किया गया, ऐसी जगहों को फिर से लोग गंदा न करें, वहां का सौंदर्यीकरण कराया जाये। ऐसे स्थानों पर पार्क, उद्यान, बुजुर्गों के बैठने का स्थान, बच्चों के पार्क, ओपन जिम, वेण्डिंग जोन, सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के दौरान निकायों के ब्लैक स्पाट्स को चिन्हित करें। कहीं पर भी ब्लैक स्पाट न दिखे। सभी मुहल्लों व वार्डो की कार्ययोजना बनाकर साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था कराएं। अभियान के दौरान सभी जोनल अधिकारी फील्ड में रहें। प्रदेश सरकार 01 अक्टूबर से संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभियान चलाने जा रही है। संचारी रोगों, मच्छर व मक्खी जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाओं का छिड़काव करें, कहीं पर भी जलभराव न हो। सफाई कार्यों की मानिटरिंग के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी बेहतर साफ सफाई व व्यवस्थापन के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करें। उन्होंने सफाई कार्यों की नियमित मानिटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में त्योहार आने वाले है। पितृपक्ष, नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के दौरान किसी भी जगह गंदगी, कूड़ा, लिगेसी वेस्ट नहीं दिखना चाहिए। आगामी सभी त्यौहारों को जीरो वेस्ट और प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त तरीके से मनाए जाने का हमें पूर्ण प्रयास करना है।

मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सफाई कार्मिकों का नगरों की स्वच्छता में बड़ा योगदान है। हमें उनके और उनके परिवारजनों के जीवन में बदलाव लाने का भी प्रयास करना होगा। उनके मान सम्मान, स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी ध्यान देना होगा। उन्हें स्वच्छता किट उपलब्ध कराएं, उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराएं और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता करें। मलिन बस्तियों की साफ सफाई एवं पीएम आवास में रह रहे गरीबों की सुविधाओं को बढ़ाने का भी ध्यान रखे।

पृष्ठ 1 का शेष...हाकी एक बार फिर से .....देवेश चौहान, एम0पी0 सिंह, जगवीर सिंह, विवेक सिंह, राहुल सिंह, ललित उपाध्याय, राजकुमार पाल, सुश्री प्रेममाया, सुश्री रंजना श्रीवास्तव, सुश्री मंजू बिष्ट, सुश्री पुष्पा श्रीवास्तव, सुश्री रजनी जोशी, सुश्री वंदना कटारिया, सुश्री रितुषा कुमारी आर्या जैसे अनेक खिलाड़ियों ने न केवल प्रदेश व देश में, बल्कि दुनिया में अपनी प्रतिभा से भारत का मान बढ़ाया है।

इन सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदेश सरकार ने अपने स्तर पर प्रयास किए हैं। मेजर ध्यानचन्द के नाम पर प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ में बनाया जा रहा है। के0डी0 सिंह 'बाबू' के पैतृक आवास को राज्य सरकार ने नीलाम होने से बचाया और उस पर के0डी0 सिंह 'बाबू' के स्मारक व भव्य म्यूजियम बनाने की कार्रवाई चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टोक्यो ओलम्पिक व पेरिस ओलम्पिक में भारतीय हाकी ने पदक प्राप्त कर अपने पुराने गौरव को प्राप्त किया है। प्रदेश सरकार ने टोक्यो ओलम्पिक व पेरिस ओलम्पिक में भारतीय हाकी टीम के सदस्य ललित उपाध्याय को डिप्टी एस0पी0 बनाया है। पेरिस ओलम्पिक में भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी राजकुमार पाल को राज्य सरकार डिप्टी एस0पी0 बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति के माध्यम से खेल व खिलाड़ियों के विकास हेतु प्रयास प्रारम्भ किये हैं। इन प्रयासों के अर्न्तगत राज्य सरकार निजी खेल अकादमियों को सहायता प्रदान कर रही है। ललित उपाध्याय व राजकुमार पाल गाजीपुर की निजी खेल अकादमी से आगे बढ़े हैं। प्रदेश सरकार ने गत वर्ष उस निजी खेल अकादमी में खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 05 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी।

ओलम्पिक, कामनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार सीधी भर्ती के माध्यम से सरकारी नौकरी प्रदान कर रही है। प्रदेश सरकार 500 से अधिक खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश शासन की अलग-अलग सेवाओं में नौकरी दे चुकी है व समायोजन कर चुकी है। राज्य सरकार लगातार खिलाड़ियों सम्मानित करने व उन्हें पुरस्कृत करने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए एवं युवाओं की खेल में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर जनपद में स्टेडियम, सभी 825 विकास खण्डों में मिनी स्टेडियम, हर ग्राम पंचायत में खेल का मैदान के निर्माण की प्रक्रिया को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ा रही है। 65,000 से अधिक युवक मंगल दल व महिला मंगल दल को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध करायी गयी हैं।

खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव, हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा0 दिलीप व महासचिव भोला नाथ सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में यूपी की उच्च शिक्षा की उपलब्धियों का हो रहा है प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने 25 से 29 सितंबर 2024 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर मार्ट में आयोजित यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में अपनी प्रमुख पहलों और उपलब्धियों का भव्य प्रदर्शन किया। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय के नेतृत्व में विभाग ने इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में की गईं अपनी महत्वपूर्ण प्रगति और नीतियों को प्रदर्शित किया।

प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, एम.पी. अग्रवाल ने मेले में विभाग के स्टाल का निरीक्षण किया और सुधार के लिए कुछ अहम सुझाव भी दिए। यह स्टाल मेले में विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन, शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के उपयोग, क्षेत्रीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को उच्च शिक्षा में एकीकृत करने जैसी पहलों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

प्रदेश में उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति का उद्देश्य निजी और विदेशी विश्वविद्यालयों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करना है। इस नीति के तहत स्टाम्प शुल्क में छूट, पूंजी सब्सिडी और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए वित्तीय सुविधाएं दी जाएंगी। इसके साथ ही प्रदेश में सभी पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की जा चुकी है, जिसमें चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, बहुविषयकता और निरंतर आंतरिक मूल्यांकन जैसे प्रावधान शामिल हैं। जो पाठ्यक्रम नियामक निकायों के अधीन आते हैं, उन्हें छोड़कर सभी में यह नीति प्रभावी हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा को डिजिटल और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। छात्रों को टैबलेट और मोबाइल उपकरण वितरित किए गए हैं, और प्रयागराज में आनलाइन शिक्षा के लिए ई-स्टूडियो की स्थापना की गई है। इसके अतिरिक्त, 41 लाख से अधिक छात्र अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट्स में पंजीकृत हो चुके हैं, और राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में इ्समर्थ-ईआरपीश प्रणाली लागू की जा चुकी है। इसके साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र स्थापित किए गए हैं और स्थानीय भाषाओं में ई-सामग्री तैयार की जा रही है ताकि शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया जा सके।

भारतीय संस्कृति और परंपराओं को छात्रों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक विषय की पहली इकाई में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन कला, संस्कृति और विज्ञान से परिचित कराया जा सके। इसके अतिरिक्त, मेले के दौरान कई निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय और कालेजों की स्थापना के प्रति रूचि दिखाई, जो प्रदेश को एक शैक्षिक हब के रूप में उभरते हुए देख रहे हैं।

मिर्जापुर और सुलतानपुर में पशुचिकित्सालय के निर्माण कार्य हेतु 69.11 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने दो नवीन पशु चिकित्सालयों ग्राम पंचायत बरकछा खुर्द, विकासखंड सीटी, जनपद मिर्जापुर एवं ग्राम पंचायत खारा , विकासखंड धनपतगंज, जनपद सुलतानपुर के अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु प्रथम किश्त के रूप में 34.555 लाख की दर से कुल 69.11 लाख (रूपये उन्हत्तर लाख ग्यारह हजार मात्र) की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश में मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी मिर्जापुर एंव सुल्तानपुर को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

स्वस्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

स्वच्छता पर आधारित एक इरादा लघु नाटक की भी प्रस्तुति की गयी

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा गुरू पूर्णिमा जयंती की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को 'स्वस्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर व्याख्यान गोष्ठी एवं मण्डल स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मण्डल स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में 06 जिलों के 55 प्रतिभागी बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतिभागी बच्चों में विजयी 15 बच्चों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। साथ ही स्वच्छता पर आधारित एक इरादा लघु नाटक की भी प्रस्तुति की गयी।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमत्रित पूर्व निदेशक, डा आनन्द ओझा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, द्वारा हिन्दी साहित्य में वर्णित स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों में अन्वेषण विश्लेषण हेतु कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। हिन्दी ग्रन्थों जैसे रामायण, रामचरितमानस, महाभारत, वैदिक ग्रन्थों में स्वास्थ्य सम्बन्धी तथ्यों के संकलन की एवं वैज्ञानिक उपयोगिता पर विचार एवं शोध की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के पूर्व सलाहकार डा0 अनिल मिश्रा ने बताया कि विकास और स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। विकास की राह स्वास्थ्य के आंगन से ही निकलती है। स्वास्थ्य का आयाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य तक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वतंत्रता की सौवीं जयन्ती तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं, जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दृढ़ संकल्पित हैं। पूर्व निदेशक, आयुर्वेद विभाग डा. केवल कृष्ण ठकराल ने बताया कि ईश्वर ने मनुष्य को दो चीजें दी हैं यथा शरीर और मन, इन दोनों के स्वास्थ रहने पर ही कोई व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। डा0 जगन्नाथ पाण्डेय ने बताया कि आहार विहार और विचार शुद्ध रखकर रोगों से बचा जा सकता है। डा0 रश्मि शील ने बताया कि अथर्ववेद में कहा गया है 'जीवेत शरदः शतम् शतम्' यानि की हम सौ वर्ष तक जीवित रहें और इसके लिए जरूरी है निरोगी काया। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। किसी व्यक्ति की मानसिक शारीरिक और सामाजिक रूप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं। हमारे यहां इसे ही जीवन कौशल कहा गया है। वर्तमान में हम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रहे हैं।

संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि स्वास्थ्य, जीवन की महत्वपूर्ण आधारशिला होती है। संस्कृत की एक उक्ति है-'आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनं' अर्थात, 'स्वास्थ्य ही परम धन है और अच्छे स्वास्थ्य से हर कार्य पूरा किया जा सकता है।' कोविड महामारी से हमें सबसे बड़ी सीख यह मिली कि हमें हमेशा ही हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा। जैसा कि हमने महामारी के दौरान देखा, दुनिया के एक हिस्से में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बहुत कम समय में ही दुनिया के अन्य सभी हिस्सों को प्रभावित कर सकती हैं, इसलिए हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए तत्पर रहना होगा। स्वास्थ्य और पर्यावरण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। साफ हवा, सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित आश्रय स्वास्थ्य के प्रमुख घटक हैं। सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयः, अर्थात, सभी सुखी रहें, सभी रोगमुक्त हों। 'इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण के साथ हुआ।

भारत रत्न एम० विश्वेश्वरैया जी भारत में टेक्नोलॉजी के ध्वजवाहक थे अभियंता किसी भी देश के विकास की रीढ़ होते हैं -जलशक्ति मंत्री

उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में भारतरत्न इं0 मोक्षगुण्डम् विश्वेश्वरैया जी के 164वें जन्म दिवस के अवसर पर अभियंता दिवस एवं शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन डा0 राम मनोहर लोहिया परिकल्प भवन प्रेक्षागृह, तेलीबाग, लखनऊ में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि स्वतंत्र देव सिंह जलशक्ति मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि बृजेश सिंह राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग की गरिमामयी उपस्थिति हुई। समारोह में प्रदेश के समस्त अभियंत्रण विभागों/निगमों/सार्वजनिक उपक्रमों के अभियंता अधिकारी भारी संख्या में उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता इं0 विनोद कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष, उ0प्र0 इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा की गयी एवं कार्यक्रम का संचालन इं0 आशीष यादव महासचिव उ0प्र0 इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर एवं भारतरत्न इं0 मोक्षगुण्डम् विश्वेश्वरैया के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित पत्रिका शताब्दी वर्ष विशेषांक एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिका प्रज्ञता का विमोचन भी मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित अभियंता दिवस समारोह में उपस्थित राष्ट्र निर्माताओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले, उत्कृष्ट अभियंता भारत रत्न एम0 विश्वेश्वरैया जी की जयंती पर उनका स्मरण कर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। आज का आधुनिक भारत एम0 विश्वेश्वरैया जी के ही बताए हुए मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। भारत रत्न एम0 विश्वेश्वरैया जी भारत में टेक्नोलाजी के ध्वजवाहक थे।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि आप सिर्फ एक अभियंता ही नहीं बल्कि इस राष्ट्र के निर्माता है। अभियंता किसी भी देश के विकास की रीढ़ होते हैं। किसी भी देश के विकास की नींव अभियंता ही रखते हैं। चाहे वह सड़कों का निर्माण हो, बिजली की आपूर्ति हो, जल प्रबंधन हो या तकनीकी नवाचार हर क्षेत्र में अभियंता की भूमिका अद्वितीय होती है।

लोक निर्माण राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने अभियंता दिवस समारोह में उपस्थित अभियंताओं को बधाई देते हुए अभियंता समुदाय के गौरवशाली इतिहास का स्मरण किया और देश के महान इंजीनियर भारत रत्न एम0 विश्वेश्वरैया जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए अभियंताओं से उनके आदर्शों पर चलने का आवाहन किया।

पी.सी.यू. समापति के निजी सचिव आनन्द श्रीवास्तव हुये सेवानिवृत्त

उ0प्र0 कोआपरेटिव यूनियन लि0 (पी0सी0यू0) में कार्यरत आनन्द कुमार श्रीवास्तव संस्था के सभापति के निजी सचिव के पद पर कार्यरत थे। विदाई समारोह में संस्था के सभापति सुरेश गंगवार ने कहा कि आनन्द श्रीवास्तव बहुत ही अनुभवी, मेहनती, ईमानदार व्यक्ति हैं इनके साथ मेरा कार्यकाल बहुत ही शानदार रहा है। आज इनके सेवानिवृत्त पर मैं इन्हें आगामी जीवन हेतु शुभ कामनायें देता हूँ।

संस्था के प्रबन्ध निदेशक महोदय श्रीकान्त गोस्वामी ने आनन्द कुमार को पुष्पगुच्छ, शाल व अटैची बैग देकर सम्मानित करते हुये कहा कि आनन्द अपनी 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहें हैं मैं आपकी सेवानिवृत्ति पर बधाई देता हूँ कि आप अपने जीवन के अगले अध्याय में भी महान चीजें हासिल करना जारी रखेंगे।

विदाई समारोह में संस्था के संपादक सुनील कुमार दिवाकर, चीफ एकाउण्टेट अजय कुमार, प्रेस प्रबन्धक राजेश कुमार चौरसिया, पत्रिका प्रभारी वृजेश सिंह आदि कर्मचारियों द्वारा श्री आनन्द के कार्यों की भूरि-भूरि प्रंशसा की गई एवं उनके सेवानिवृत्त के उपरान्त जीवन खुशियों से भरा होने की मंगल कामनायें की गई। इस अवसर पर पी0सी0यू0 के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।